S.F. Nadel

नाडेल ने Nupe जनजाति का अध्ययन किया था। इन्होंने संरचना, प्रकार्य एवं विषयवस्तु में अन्तर स्पष्ट किया। संरचना और प्रकार्य दो अलग-अलग विचार हैं, जबकि विषयवस्तु एवं भौतिक एवं गुणात्मक विशेषता है। इसलिए संरचना एवं विषय-वस्तु से उच्चस्तरीय अमूर्त प्राप्त होता है।

संरचना की परिभाषा :- सामाजिक संरचना अंगों की व्यवस्थित ढंग है जिसमें परिवर्तन हो सकता है लेकिन अपेक्षाकृत नहीं होता है जबकि अंगों में परिवर्तन होता है।

विश्लेषण, समाज व्यक्तियों का समूह है जो आपस में अंतःक्रियाएं करते हैं ये अंतः क्रियाएं नियमों के द्वारा संचालित होती हैं। नियम व्यक्तियों को एक-दूसरे के प्रति कैसे क्रियाएं करें, वो सिखाता है।

फिर इससे stereotype निकालना जरूरी है। इसी को सामाजिक संबंध कहा जाता है। क्योंकि वे संस्थात्मक संबंध हैं जो कि कोई निजी संबंध नहीं हैं और निजी संबंध के विपरीत है।

जब व्यक्तियों के बीच में पारस्परिक क्रिया में कुछ स्थिरता मिलता है तो उसको हम सामाजिक संबंध कहते हैं। लेकिन वास्तविक संबंध में स्थिरता नहीं मिलती है, कुछ न कुछ अस्थिरता भी मिलती है।

Scanned by CamScanner

वास्तविक व्यवहार कई प्रकार के होते हैं। कभी-कभी जानबूझकर परिस्थिति के अनुसार बदलता रहता है। संबंधों में स्थायित्व और स्थिरता एक सामान्य रूप से मिल सकता है किसी भी सामाजिक संबंध में यह ~~काम~~ कहा जाता है कि व्यक्ति आपस में समान रूप से क्रियायें करते हैं लेकिन यहाँ का रूप बहुल है और समानता व्यापक है। जैसे: मित्रता में 'A' व 'B' के बीच कई प्रकार की क्रियायें होंगी, जैसे;

① आर्थिक लाभ के समय सहायता करना।
② विभिन्न मामलों में सुलह करना।
③ विभिन्न मामलों में आपसी प्रतिक्रिया करना।

लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है जिसको Nadel ने निम्नलिखित समीकरण से समझाया है;

$A \, r \, B$, if

$A(a, b, c, \ldots n) : B$ & vice versa

$\therefore r \supset \Sigma a \ldots n$

A r B - Two Individual के बीच संबंध।

$A(a, b, c, \ldots n) : B$

यदि A अपना सभी व्यवहार B की तरह करता है और B भी A की तरह व्यवहार करे तो यह इंगित करता है, यह सारे व्यवहार का मिश्रण है।

∴ $\gamma \supset \Sigma a \ldots n$ (यहाँ हम diverse mode of Behaviour (+ -- behaviour)

$\supset$ = इंगित करता है।

Σ = मिश्रण का योग

: दूसरों की तरह व्यवहार करना।

<u>संरचना का विश्लेषण</u>: इसके लिए Nadel ने दो तरह के व्यवस्था का विश्लेषण किया है। पहली व्यवस्था में व्यक्तियों का व्यवस्थित ढंग तथा दूसरी व्यवस्था में संबंधों के बीच संबंध स्थापित करना। इसको उन्होंने प्रारूप एवं जाल की अवधारणा के माध्यम से समझाया है।

<u>जाल का अर्थ</u>: संबंधों के बीच में अंतःक्रिया तथा प्रारूप का अर्थ है: सामाजिक संबंधों का वितरण। प्रारूप में संबंधों की पुनरावृत्ति जैसे कि खण्डात्मक वंश व्यवस्था में अलग-अलग समूहों में संबंधों की प्रकृति की पुनरावृत्ति होती है। दो समूहों के बीच में सीमा पर पाये जाने वाले संबंधों की पुनरावृत्ति यह निम्नलिखित चित्र में स्पष्ट होगा।

$$\overset{A}{\begin{bmatrix} r & r & r \\ r & r & r \\ r & r & r \end{bmatrix}} \begin{matrix} Br \\ Br \\ Br \end{matrix} \overset{B}{\begin{bmatrix} r & r & r \\ r & r & r \\ r & r & r \end{bmatrix}} \begin{matrix} Br \\ Br \\ Br \end{matrix} \overset{C}{\begin{bmatrix} r & r & r \\ r & r & r \\ r & r & r \end{bmatrix}}$$

A, B, C – तीन समूह या वंश हैं।

r – संबंधों की प्रकृति

Br – सीमा पर पाये जाने वाला संबंध

Scanned by CamScanner

जाल (Network) :- जाल का अर्थ है विभिन्न संबंधों के बीच में अन्तर्ग्रहीत (Interlocking) है व्यवस्था हासिल करना। ~~उसके~~ उसके सारे संबंध एक जाल जैसा दिखता है और उस जाल में गाँठ होता है, जिसके सारे संबंध जुड़े रहते हैं।

आलोचनात्मक विश्लेषण।

Nadel का विश्लेषण गतिशील है लेकिन साथ-साथ कुछ मायने में संतुलित भी है। क्योंकि ये दोनों प्रकार के समाजों के विश्लेषण के लिए उपयुक्त है। Barness ने उनकी आलोचना करते हुए कहा कि समाज में कोई जरूरी नहीं है कि समाज में एक ही जाल हो या फिर गाँठ हो। हो सकता है उनमें कई जाल या कुछ गाँठ हो। गाँठ में में बदलाव हो सकता है जैसे कि वो यदि शिथिल हो जाए तो दोबारा जोड़ा जा सके।

Scanned by CamScanner